AMAR UJALA

उपलब्धि

केयू के प्रो. दिनेश कुमार अग्रवाल बने वाईएमसीए फरीदाबाद के कुलपति, बोले

वाईएमसीए को बनाएंगे प्रदेश की पहली पेपर लेस यूनिवर्सिटी

- कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से 1994 में की थी पीएचडी,
- अभी तक 95 शोध पत्र हो चुके हैं प्रकाशित
- केयू कुलपति आरैर कुलसचिव ने दी बधाई

अमर उजाला ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। केयू के इलेट्रॉनिक्स साइंस विभाग के अध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार अग्रवाल को वाईएमएसीए यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी का कुलपति नियुक्त किया गया है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि वाईएमसीए टेक्निकल यूनिवर्सिटी है। इसलिए उनका मुख्य उद्देश्य इस यूनिवर्सिटी

को पेपर लेस यूनिवर्सिटी बनाना होगा। उनकी इच्छा है इस यूनवर्सिटी में सभी दस्तावेज कंप्यूटर पर हों और सारा काम ऑनलाइन किया जा सके। उनका सपना है कि आईआईटी की भांति वाईएमसीए को इंजीनियरिंग क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बना सकें। उन्होंने अपनी नियुक्ति के लिए राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी का आभार जताया है। उनकी नियुक्ति पर केयू कुलपति हरदीप कुमार और कुलसचिव डॉ. प्रवीण कुमार सैनी ने उन्हें बधाई दी है।

केयू के प्रो.दिनेश अग्रवाल

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से की पीएचडी

इसके बाद 1990 में इंग्लैंड कैंब्रिज यूनिवर्सिटी चले गए। वहां से एमफिल इन इंजीनियरिंग और इसके बाद 1994 में प्रोफेसर एएम कैंबल के मार्गदर्शन में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से पीएचडी इन इंजीनियरिंग की। वर्ष 2003 में इन्हें एसोसिएशन ऑफ कॉमन वेल्थ यूनिवर्सिटी की ओर से कैंब्रिज यूनिवर्सिटी कैंपस में सेल्विन कॉलेज में फेलोशिप मिली। फ्रांस, इटली, जर्मनी, आस्ट्रिया, इंग्लैंड, अमेरिका, रुस और अस्ट्रेलिया की यात्रा कर चुके हैं। प्रो. अग्रवाल के 95 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इंडियन साइंस कांग्रेस के कुरुक्षेत्र चेप्टर के अध्यक्ष प्रो. अग्रवाल ने वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का कार्य किया है।

आरएसएस से नजदीकियों का मिला लाभ

डॉ. अग्रवाल और उनकी पत्नी रंजना अग्रवाल काफी लंबे समय से आरएसएस विचारधारा से जुड़े रहे हैं। लंबे समय से चर्चा थी कि डॉ. अग्रवाल या उनकी पत्नी को कुलपति अथवा रजिस्ट्रार का पद मिल सकता है। अपने छात्र जीवन में रंजना अग्रवाल एबीवीपी की अध्यक्ष रह चुकी हैं। इस बात की भी चर्चाएं थीं कि डॉ. अग्रवान की धर्मपत्नी को रजिस्ट्रार पद सौंपा जा सकता है। डॉ. अग्रवाल ने भी माना कि वे आरएसएस की विचारधारा से बचपन से ही जुड़े हुए हैं।

खुशी हुई दोगुना, अब जा रहा हूं अपने घर

प्रो. अग्रवाल केयू में पिछले 28 वर्ष से कार्यरत हैं। उन्होंने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि उनके लिए फरीदाबाद वाईएमसीए का कुलपति बनना खुशी की बात है। इसके साथ ही उन्हें इस बात की भी खुशी है कि वे अपने घर जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह पलवल जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने प्राथमिक से लेकर कॉलेज तक पलवल में ही शिक्षा ग्रहण की है। उन्होंने 1982 में पलवल के एसडी कॉलेज से बीएससी नॉन मेडिकल संकाय में की थी। उस समय रोहतक यूनिवर्सिटी में सेकेंड पोजीशन पर थे। इसके बाद 1984 में केयू से एमएससी, 1985 में एमफिल की।

DAINIK BHASKAR

प्रो. दिनेश बने वाईएमसीए फरीदाबाद के वीसी

कुरुक्षेत्र | कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस विभाग के अध्यक्ष प्रो. दिनेश अग्रवाल को वाईएमसीए यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी का वीसी नियुक्त किया गया है।

प्रो. दिनेश ने अपनी नियुक्ति पर हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वाईएमसीए को शोध व तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश की टॉप यूनिवर्सिटी में शामिल करवाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने 1994 में प्रो. एएम कैंबल के मार्गदर्शन में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से पीएचडी की थी। केयू के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के निदेशक रहे प्रो. दिनेश अग्रवाल वर्तमान में केयू के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के अध्यक्ष हैं। 2003 में उन्हें एसोसिएशन ऑफ कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी की ओर से कॉमनवेल्थ फैलोशिप के लिए चुना गया। फ्रांस, इटली, जर्मनी, आस्ट्रिया, इंग्लैंड, अमेरिका, रुस और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की यात्रा कर चुके हैं। प्रो. दिनेश अग्रवाल के 95 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इंडियन साइंस कांग्रेस के कुरुक्षेत्र चैप्टर के अध्यक्ष प्रो. दिनेश अग्रवाल ने वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में अंतर राष्ट्रीय स्तर का कार्य किया है।

DAINIK JAGRAN

प्रोफेसर दिनेश अग्रवाल बने कुलपति

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : कुवि के इलेक्ट्रानिक्स साइंस विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर दिनेश कुमार अग्रवाल को यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलाजी का कुलपति नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति हरदीप कुमार व कुलसचिव डॉ. प्रवीण कुमार सैनी ने उनकी इस नियुक्ति के लिए उन्हें बधाई दी है।

प्रोफेसर दिनेश अग्रवाल ने इसके लिए राज्यपाल प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वह वाईएमसीए को शोध व तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश के टॉप विश्वविद्यालयों में शामिल करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने 1994 में प्रोफेसर एएम कैंबल के मार्गदर्शन में कैंब्रिज विश्वविद्यालय से शोध पूरा किया था। कुवि के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के निदेशक रहे प्रोफेसर अग्रवाल को वर्ष 2003 में एसोसिएशन ऑफ कॉमन वेल्थ यूनिवर्सिटी की ओर से कॉमन वेल्थ फेलोशिप के लिए चुना गया था। वह फ्रांस, इटली, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, इंग्लैड, अमेरिका, रूस व आस्ट्रेलिया जैसे देशों की यात्रा कर चुके हैं। उनके 15 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके है।

प्रोफेसर दिनेश कुमार अग्रवाल

- कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से 1994 में की थी पीएचडी

इंडियन साइंस कांग्रेस के कुरुक्षेत्र चैप्टर के अध्यक्ष प्रो. दिनेश अग्रवाल ने वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कार्य किया है । हाल ही में उन्हें नैनो मिशन प्रोजेक्ट के तहत साइंस डीएसटी से एमटेक नैनो साइंस एंड टेक्नालॉजी के लिए 2.96 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट मिला है।

The Tribune
CHANDIGARH | WEDNESDAY | 4 NOVEMBER 2015

KU professor to be new VC of YMCA varsity

KURUKSHETRA NOVEMBER 3

Dr Dinesh Kumar (in pic), Professor of Electronics at Kurukshetra University has been appointed as the Vice Chancellor of YMCA University of Science and Technology by Governor Kaptan Singh Solanki.

"A communication in this regard was received from Raj Bhawan on Monday. YMCA is a residential university and my aim would be to further improve the research standards and to make it one of the top varsities of the country," said Prof Dinesh.

A PhD from Cambridge University, Prof Dinesh has done post doctoral research at INFM-TASC, Trieste, Italy, and Cambridge University. He has been to France, Italy, Germany, Austria, England, USA, Russia, and Australia in connection with his research work. He has also worked as Director at UIET from August 2010 to January 2015. —TNS

PUNJAB KASARI

'शोध कार्यों को दी जाएगी प्राथमिकता'

■ वाईएमसीए विश्वविद्यालय फरीदाबाद के नए कुलपति डा. दिनेश ने संभाला कार्यभार

फरीदाबाद, 4 नवम्बर (सूरजमल) : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद के नए कुलपति डा. दिनेश कुमार ने आज कार्यभार संभाल लिया। डा. दिनेश कुमार कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक साइंस विभाग के अध्यक्ष रहे है। प्रो. संदीप ग्रोवर जोकि 31 मार्च, 2015 से विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति के रूप जिम्मेदारियों का निवर्हन कर रहे थे।

ने डा. दिनेश कुमार को कार्यभार सौंप दिया। डा. कुमार ने कहा कि वे वाईएमसीए विश्वविद्यालय को देश के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की पंक्ति में लाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शोध कार्यों को आगे बढ़ाने की रहेगी। डा. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों जैसे स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत तथा सबसे महत्वपूर्ण मेक इन इंडिया में भागीदार बनकर कार्य करेगा तथा इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी कुशल कार्यबल को तैयार करने में अपना योगदान देगा। डा. दिनेश कुमार वाईएमसीए विश्वविद्यालय के पांचवें कुलपति है। कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में 28 वर्षों के अपने कार्यकाल में डा. दिनेश कई पदों पर रह चुके है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न वैज्ञानिक एवं अनुसंधानिक सोसाइटियों के सदस्य है। शिक्षण एवं अनुसंधान कार्यों में डा. दिनेश का काफी अनुभव रहा है तथा उन्होंने नैनो साइंस तथा तकनीक के क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई है।

पंजाब केसरी ई पेपर Thu, 05 November 2015
epaper.punjabkesari.in/c/713508

HINDUSTAN HINDI

गुरुवार, 05 नवंबर 2015

हिन्दुस्तान 24

कैम्पस

डॉ. दिनेश वाईएमसीए के नए कुलपति बने

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को डॉ. दिनेश कुमार ने कुलपति के पद भर कार्यभार संभाला। कुरु क्षेत्र विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक साइंस विभाग के अध्यक्ष रहे दिनेश कुमार अब ने वाईएमसीए के पांचवें कुलपति के तौर पर कमान संभाली है। परीक्षण एवं अनुसंधान कार्यों में अनुभव रखते हैं और नैनो साइंस तथा तकनीक के क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई है। फिलहाल कार्यवाहक कुलपति के तौर पर जिम्मेदारी संभाल रहे प्रो. संदीप ग्रोवर ने नए कुलपति का स्वागत करते हुए उन्हें कार्यभार सौंपा। डॉ. दिनेश ने कहा कि मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया अभियानों के जरिए युवाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे।

DAINIK JAGRAN

स्किल इंडिया व मेक इन इंडिया को बढ़ाएंगे : डा. दिनेश अग्रवाल

जासं. फरीदाबाद : वाईएमसीए साइंस एंड टेक्नोलाजी यूनिवर्सिटी में अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्वच्छ भारत, जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा। नए कुलपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद डा. दिनेश कुमार अग्रवाल ने कहा है कि स्किल इंडिया का औद्योगिक नगरी फरीदाबाद के उद्योगों को भी फायदा मिलेगा। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने और यूनिवर्सिटी के शोध कार्यों को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगा। डॉ. दिनेश कुमार कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक साइंस विभाग के अध्यक्ष रहे हैं।

डॉ. अग्रवाल का वाइएमसीए के कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर संदीप ग्रोवर ने स्वागत किया। कार्यवाहक कुल सचिव डॉ. तिलक राज, सभी डीन तथा विभागाध्यक्ष ने भी डॉ. दिनेश कुमार का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर उनके साथ धर्मपत्नी प्रो. (डॉ) रंजना अग्रवाल तथा प्रो. आरके गर्ग भी उपस्थित थे। कुलपति के रूप में अपनी नियुक्ति पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी, मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा का आभार जताते हुए डॉ.अग्रवाल ने कहा कि वे वाईएमसीए यूनिवर्सिटी को देश की श्रेष्ठ यूनिवर्सिटी की पंक्ति में लाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने यूनिवर्सिटी में संचालित कम्युनिटी कालेज की सराहना की और कहा कि स्किल इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए यूनिवर्सिटी स्तर पर ऐसे प्रयास जरूरी है। डा. अग्रवाल वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के पांचवें कुलपति हैं। कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में 28 वर्षों के अपने कार्यकाल में वे कई पदों पर रह चुके हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न वैज्ञानिक एवं अनुसंधानिक सोसायटी के सदस्य हैं। माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक, वीएलएसआई प्रौद्योगिकी, नये इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता रखने वाले डॉ. दिनेश के 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

- डा. अग्रवाल ने वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के नए कुलपति का कार्यभार संभाला

नए कुलपति डा.दिनेश कुमार अग्रवाल का बुके देकर स्वागत करते कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर संदीप ग्रोवर

DAINIK BHASKAR

वाईएमसीए विवि के नए कुलपति डा. दिनेश कुमार ने कार्यभार संभाला

Bhaskar News Network | Nov 05, 2015, 02:35 AM IST

वाईएमसीएविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के नए कुलपति डा. दिनेश कुमार ने बुधवार को कार्यभार संभाल लिया। डा. दिनेश कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक साइंस विभाग के अध्यक्ष रहे हैं। प्रो. संदीप ग्रोवर जो 31 मार्च 2015 से विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति के रूप जिम्मेदारियांे का निर्वहन कर रहे थे। उन्होंने डा. दिनेश कुमार को कार्यभार सौंप दिया।

इससे पहले विश्वविद्यालय पहुंचने पर प्रो. ग्रोवर, कार्यवाहक कुलसचिव डा. तिलकराज, सभी डीन तथा विभागाध्यक्ष ने डा. दिनेश कुमार का स्वागत किया। डा. कुमार ने कहा कि वे वाईएमसीए विश्वविद्यालय को देश के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की पंक्ति में लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

उन्होंने कहा उनकी प्राथमिकता तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शोध कार्यों को आगे बढ़ाने की रहेगी। डा. दिनेश ने कहा विश्वविद्यालय सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों जैसे स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत तथा सबसे महत्वपूर्ण मेक इन इंडिया में भागीदार बनकर कार्य करेगा तथा इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी कुशल कार्यबल को तैयार करने में अपना योगदान देगा। उन्होंने विश्वविद्यालय में संचालित कम्युनिटी कालेज की सराहना की और कहा कि स्किल इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर ऐसे प्रयास जरूरी है। सरकार के मेक इन इंडिया का जिक्र करते हुए डा. कुमार ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय होने के नाते कुशल कार्यबल तैयार कर हम (वाईएमसीए) कार्यक्रम में काफी योगदान दे सकते हैं। इसका लाभ फरीदाबाद की स्थानीय औद्योगिक इकाइयों को भी मिलेगा। इस दौरान कुलपति ने सभी डीन तथा विभागाध्यक्ष से बैठक कर विश्वविद्यालय के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा सभी मिलकर विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आगे ले जाने में अपना सहयोग दें।